

मौसम

अधिकतम तापमान 34.c

न्यूनतम तापमान 27.c

बाजार

सोना 90.450g

चांदी 91.500 kg

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

डीजीजीआईने 357 अवैध ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट को ब्लॉक किया

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि जीएसटी खुफिया अधिकारियों ने विदेश से संचालित अवैध ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को 357 वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया है। इसके साथ ही लगभग 2,400 बैंक खाते जब्त किए हैं। मंत्रालय ने जनता को विदेशी गेमिंग मंचों से जुड़ने के खिलाफ आगाह भी किया। मंत्रालय ने कहा कि बॉलीवुड हस्ती और क्रिकेट खिलाड़ियों के अलावा सोशल मीडिया पर प्रभाव रखने वाले भी अगर इन मंचों का समर्थन करें, तो भी इनसे नहीं जुड़ना चाहिए। लगभग 700 विदेशी ई-गेमिंग कंपनियां माल और सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (जीडीडीआई) की जांच के दायरे में हैं, क्योंकि इन्होंने पंजीकरण नहीं कराया है और जीएसटी को चोरी कर रही हैं। जांच में यह भी पता चला कि ये विदेशी कंपनियां लेनदेन के लिए फर्जी बैंक खातों के जरिये काम करती हैं। दो अलग-अलग मामलों में डीजीजीआई ने कुल 2,400 बैंक खातों को जब्त किया और करीब 126 करोड़ रुपये की निकासी पर रोक लगा दी।

उच्च न्यायालय की सुनवाईमें टॉयलेट से लिया हिस्सा, अब देना होगा 2 लाख रुपये का जुर्माना

आजकल डिजिटल का जमाना है, जिसमें डिजिटल पेमेंट से लेकर डिजिटल मिटिंग में हिस्सा लेना आम हो गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लोग घर से बैठे ही ऑफिस का काम हो या फिर स्कूल की क्लास इसे अटेंड कर सकते हैं। वहीं गुजरात में हाईकोर्ट की सुनवाई भी वचुअल कोर्ट के जरिए होनी थी। वचुअल कोर्ट के जरिए लोग कहीं से भी सुनवाई में हिस्सा ले सकते हैं। मगर दो लोगों को वचुअल तरीके से हाईकोर्ट की सुनवाई में हिस्सा लेना काफी महंगा पड़ गया है। दरअसल कोर्ट की वचुअल सुनवाई के दौरान दो लोगों ने नियमों का पालन नहीं किया। गुजरात हाईकोर्ट की कार्यवाही में वीडियो लिंक के जरिए दो लोगों ने हिस्सा लिया था। इनमें से एक युवक टॉयलेट से हाईकोर्ट की सुनवाई में शामिल हुआ था। इस दुर्घटना के बाद हाईकोर्ट ने युवक पर दो लाख रुपये का जुमाना लगाया है। युवक को सामुदायिक सेवा करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं दूसरा व्यक्ति बिस्तर पर लेटकर सुनवाई में हिस्सा ले रहा था, जिस कारण उस पर भी जुमाना लगाया गया। कोर्ट ने कहा कि युवक सूची नहीं देख रहा था जो लेटकर सुनवाई में हिस्सा ले। पहले मामले में धवल पटेल नाम का एक व्यक्ति जस्टिस एम. के. ठक्कर की कोर्ट में ऑनलाइन वीडियो लिंक से जुड़ा था। एक अदालती मामले में एक व्यक्ति ने ऑनलाइन वीडियो लिंक के माध्यम से जुड़कर अनुचित व्यवहार किया।

प्रदर्शन

रेखा गुप्ता सरकार के खिलाफ आप का विरोध प्रदर्शन

'कबसे मिलेंगे 2500 रुपये, क्या ये जुमला था?'

एजेंसी नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने महिला सम्मान योजना के क्रियान्वयन न होने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले पीएम मोदी ने दिल्ली की महिलाओं से वादा किया था कि 8 मार्च को हर महिला को 2500 रुपए मिलेंगे। लेकिन एक भी पैसा जमा नहीं हुआ। इसका मतलब है कि यह एक जुमला था। 2500 रुपए तो दूर, अभी तक इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन भी शुरू नहीं हुआ है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष कबीर भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वादा किया था कि 8 मार्च को दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपए मिलेंगे। हमने 'जुमलों के बैंक'



का चेक दिया है, जिस पर 2500 रुपए लिखा है। शायद अब भाजपा को शर्म आएगी और वो अपना वादा पूरा करेगी। इससे पहले आतिशी ने प्रश्न किया था कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किए गए वादे के अनुरूप राजधानी में महिलाओं को

महिला समृद्धि योजना के तहत 2,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता कब मिलेगी? दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि क्या भाजपा सरकार राजधानी में 18 वर्ष से अधिक आयु की लगभग 48 लाख

आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वादा किया था कि 8 मार्च को दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपए मिलेंगे। हमने 'जुमलों के बैंक' का चेक दिया है, जिस पर 2500 रुपए लिखा है। महिलाओं को 2,500 रुपये देगी? या कई तरह की शर्तें लगाकर इसकी एक प्रतिशत से भी कम संख्या को लाभ दोगे? आतिशी ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने 12 दिन पहले एक समिति बनाई थी, जिसने अभी तक कुछ नहीं किया है। उन्होंने सवाल किया कि इस योजना के लिए पंजीकरण कब शुरू होगा और लाभार्थी महिलाओं के खातों में पैसे कब आएंगे? भाजपा सरकार ने दिल्ली में गरीब परिवारों की महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक सहायता

प्रदान करने के लिए 5,100 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। आतिशी ने आगे कहा कि मोदी जी ने गारंटी दी थी कि 8 मार्च तक महिलाओं को 2500 मिलने लगेंगे लेकिन इसकी जगह उन्हें एक कमिटी का झुन्झुना मिला। आतिशी ने आगे कहा कि पीएम मोदी ने दिल्ली की महिलाओं से वादा किया था कि हर महिला के खाते में 2500 रुपये आएंगे, लेकिन उसके पहले इतनी शर्तें लगा देंगे कि 1 प्रतिशत महिलाओं को भी इसका लाभ नहीं मिल पाएगा।

नुकसान की भरपाई दंगाइयों से होगी, जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाएंगे :सीएम फडणवीस

फडणवीस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग के विश्लेषण के बाद नागपुर हिंसा के 104 आरोपियों की पहचान की गई है और 12 नाबालिगों सहित 92 लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई शुरू की गई है।

एजेंसी मुंबई। नागपुर में 17 मार्च को भड़की हिंसा में शहर के कई इलाकों में संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा, पथरबाजी और आगजनी हुई। इस पर बोлатे हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि सरकार दंगाइयों द्वारा झड़पों के दौरान हुई संपत्ति के नुकसान की भरपाई करेगी। उन्होंने कहा, अगर हिंसा करने वाले लोग नुकसान की भरपाई करने में विफल रहते हैं, तो उनकी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी और नुकसान की भरपाई के लिए उसे बेच दिया जाएगा। उन्होंने हिंसा के दौरान पुलिस अधिकारियों पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर

नागपुर हिंसा में घायल एक शख्स की मौत

जोर दिया। झड़प में शामिल 104 लोगों की पहचान की गई फडणवीस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग के विश्लेषण के बाद नागपुर हिंसा के 104 आरोपियों की पहचान की गई है और 12 नाबालिगों सहित 92 लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई शुरू की गई है। महाराष्ट्र के सीएम ने कहा कि 1992 के बाद ऐसी घटना नहीं हुई है, पुलिस पर हमला करने वालों को

दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है उत्तर प्रदेश : सीएम योगी

इन्वेस्टर्स मीट में 700 करोड़ रुपये के दो एमओयू पर भी हुए हस्ताक्षर

एजेंसी लखनऊ। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम मित्र योजना के तहत लखनऊ-हरदोई सीमा पर 1,000 एकड़ पर प्रस्तावित मेगा टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क की स्थापना के लिए शनिवार को लखनऊ में एक भव्य इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश वस्त्र परिधान नीति 2017 के अंतर्गत राज्य के वस्त्र उद्योग में निवेश करने वाले 80 निवेशकों को 210 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की। साथ

जस्टिस यशवंत वर्मा के घर आग से भड़का कैश का विवाद

अग्निशमन सेवा प्रमुख ने किया साफ, कभी नहीं कहा कि कोई नकदी नहीं मिली



एजेंसी मुलाकात की और आईटी क्षेत्र में राज्य की संभावनाओं पर चर्चा की। साहा ने फेसबुक पर लिखा कि उन्होंने पहले मुंबई और असम में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी से मुलाकात की थी और उनसे विकसित त्रिपुरा के हमारे नजरिये का समर्थन करने लिए अनुरोध किया था।

था। उन्होंने कहा कि रिलायंस जियो के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के व्यापार प्रमुख के नेतृत्व में एक दल ने आईटी और आईटी आधारित सेवाओं, डेटा केंद्रों के अलावा प्राकृतिक गैस की खोज तथा उर्वरक उत्पादन, पेट्रोलियम, बांस से एथनॉल बनाने, रबर की लकड़ी के फर्नीचर, कृषि-खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी से मुलाकात की थी और उनसे विकसित त्रिपुरा के हमारे नजरिये का समर्थन करने लिए अनुरोध किया



सम्पादकीय

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की ओर दिया जा रहा है विशेष ध्यान

प्राचीनकाल में भारत के नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति चेतना का भाव जागृत रहता था। जागरूकता तो यहां तक थी कि किस प्रकार जीवन की दिनचर्या स्थापित हो कि परिवार में कोई बीमार ही नहीं हो, बीमारी का निदान तो आगे की प्रक्रिया रहती है। उस खंडकाल में प्रत्येक नागरिक इतना सजग रहता था कि प्रातःकाल एवं सायंकाल में 5/10 किलोमीटर तक नियमित रूप से पैदल चलना एवं योगक्रिया तथा प्राणायाम आदि का अभ्यास नियमित रूप से करता था ताकि शरीर को किसी भी प्रकार का रोग ही नहीं लगे एवं शरीर स्वस्थ बना रहे। इसके साथ ही खानपान, सामान्य दिनचर्या, सूरज डूबने के पूर्व भोजन करना, रात्रि में जल्दी सोना और प्रातःकाल में जल्दी उठना, दिन भर मेहनत के कार्य करना, जैसी प्रक्रिया सामान्यजन की हुआ करती थी। परंतु, आज परिस्थितियां बदली हुईं सी दिखाई देती हैं। पश्चिमी सभ्यता की ओर बढ़ रहे रुझान के चलते युवाओं के खानपान में आमूलचूल परिवर्तन दिखाई देता है, दिनचर्या में परिवर्तन दिखाई देता है, रात्रि में बहुत देर से सोना और सूर्य नारायण के उदित होने के पश्चात दिन में बहुत देर से उठना आदि कारणों के चलते विभिन्न प्रकार की बीमारियां नागरिकों को घेरने लगी हैं। अतः केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए अपने बजट में विशेष प्रावधान करने पड़ रहे हैं। आज, केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा यह प्रयास किए जा रहे हैं कि समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से पहुंचें और आज सरकार की यह प्राथमिकता बन गई है। देश में नागरिकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 175,000 आशुपान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। इन सभी प्रयासों के चलते आज भारत में मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में भी व्यापक कमी दृष्टिगोचर हुई है और केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे प्रयासों के चलते एवं अस्पताल, इलाज और दवा की व्यवस्था के कारण एक सामान्य परिवार में स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च निरंतर कम हो रहा है। भारत में, नागरिकों की दिनचर्या में आ रही गिरावट एवं खानपान में आए बदलाव के चलते देश में कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और इसका इलाज महंगा होने के कारण आम नागरिकों के लिए इस बीमारी का इलाज कराना बहुत मुश्किल कार्य होता जा रहा है। अतः केंद्र सरकार ने कैंसर दवाओं के आयात पर कस्टम ड्यूटी को समाप्त कर दिया है। केंद्र सरकार द्वारा, अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करते हुए, सर्वाइकल कैंसर के लिए अब तक लगभग नौ करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। देश में लगातार बढ़ रही कैंसर के मरीजों की संख्या को देखते हुए देश के समस्त जिलों में आगामी 3 वर्षों के दौरान डे केयर कैंसर सेंटर की स्थापना कर दी जाएगी।

आज का विचार

आज कैद तो कल उड़ा है उड़ते परिटों ने हर दफा यही कहा है कि, वक्त पलटते और जिंदगी बदलते देर नहीं लगती।

भारत संवाद

राशिफल

मेघ राशि : मेघ राशि के जातकों के लिए कल का दिन मंगलमय रहने वाला है. आपका किसी नई भूमि वाहन मकान आदि को खरीदने का सपना पूरा होगा. आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा. कोई पुराना लेनदेन चुकता हो सकता है.

वृषभ राशि : वृषभ राशि के लिए कल का दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा. आप अपने विरोधियों की चाल को समझेंगे और उन्हें आसानी से मात देने की कोशिश करेंगे. आपको कोई किराए के काम से इनकम बढ़ सकती है. कार्यक्षेत्र में आपकी दीर्घ सलाह पर आपके बाँस अमल अवश्य करेंगे.

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातकों के लिए आज दिन सामान्य रहने वाला है. राजनीति में कार्यरत लोगों के जनसंपर्क बढ़ेंगे, लेकिन इसके साथ-साथ आपके शत्रु भी उलटने होंगे. आपका आविश्कार पहले से बेहतर रहेगा.

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों को अपने खर्चों पर ध्यान देना होगा. अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा. आर्थिक दृष्टिगत पहले से बेहतर रहेगी और मेहनत का पूरा फल मिलेगा.

सिंह राशि : सिंह राशि के जातकों के लिए कल का दिन आत्म सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है. घर में सुख शांति भरा माहौल रहेगा. लोग एक दूसरे की परवाह करेंगे. आप वरिष्ठ सदस्यों से काम को लेकर सलाह लेंगे. जीवन साथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे.

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों के लिए आज दिन मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है. आपके व्यवहार में सहनशीलता रहने से आप काफी कामों को लोगों से निकलवा सकेंगे. आपका बिजनेस पहले से बेहतर रहेगा. आप बिना सोचे समझे किसी से कोई बात ना करें.

तुला राशि : तुला राशि के जातकों को कुछ टेंशन से छुटकारा मिलेगा. आपका कोई कोर्ट केस यदि लंबे समय से विवादित था, तो उसमें भी आपको जीत मिलती दिख रही है.

कार्यक्षेत्र में आपके किए गए कामों के सराहना होगी, जिससे आपको खुशी होगी.

वृद्धिक राशि : वृद्धिक राशि के जातकों की लोकप्रियता बढ़ेगी. आपका कोई काम यदि पेंडिंग चल रहा था, तो उसे भी आप आसानी से पूरा करेंगे. बिजनेस में कोई प्रोजेक्ट आपके लिए नयी समस्याएं खड़ी करेगा.

धनु राशि : धनु राशि के जातकों के विरोधी परेशान रहेंगे. आपके मन में खुशियां रहेगी. माता-पिता का आपको पूरा सहयोग मिलेगा. आप कहीं घूमने फिरने जाने की योजना बना सकते हैं. परिवार में किसी सदस्य से किए हुए वादे को भी आप आसानी से पूरा करेंगे.

मकर राशि : मकर राशि के जातकों के लिए कल का दिन बढ़िया रहने वाला है. आपकी शौक मौज की चीजों में वृद्धि होगी. इनकम अच्छी रहने से आप खर्चा आसानी से कर सकेंगे. आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी, किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा.

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों को खुशियों बढ़ेंगे अपने कामों में आपको धैर्य धारा बनाए रखना होगा. आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे. आपके बिगड़े हुए काम बनेंगे. व्यवसाय में आपकी प्रत्याशित लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा. परिवार के सदस्यों के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे.

मीन राशि : मीन राशि के जातक आज अपने कामों को समय से पूरा करने की कोशिश करेंगे. आपके मन में नई आशाओं का संचार होगा, जिससे उनका मन खुश रहेगा और अपने कामों को लेकर वह काफी सक्रिय होंगे. नव विवाहित जोतकों के जीवन में भी चल रही समस्याओं से आपको काफी हद तक राहत मिलेगी. संतान को किसी नई नौकरी के मिलने से आज घर में किसी पूजा पाठ का आयोजन हो सकता है.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता हो



न्यायपालिका
ईमानदारी, निष्पक्षता
और कानून के समक्ष
समान व्यवहार के
मूल्यों पर आधारित
लोकतंत्र के चार
स्तंभों में सर्वाधिक
महत्वपूर्ण स्तंभ है।
न्यायालयों की
ईमानदारी में जनता
और कानूनी समुदाय
का विश्वास बहाल
करने के उद्देश्य से
कानून में क्रांतिकारी
बदलाव की अपेक्षा है।

भारत की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से घिरी है। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती हैं वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है। एक ही प्रकृति के मामलों में अलग-अलग फैसले आना, कुछ न्यायाधीश कभी-कभी व्यक्तिगत पसंद के आधार पर मामलों को चुनते देखे जाते हैं, कुछ वकीलों को केस असाइनमेंट और सुनवाई के समय के मामले में तरजीह दी जाना, आंशिक सुनवाई के मामलों की प्रथा आदि भारतीय न्यायिक व्यवस्था में विद्यमान चुनौतियों एवं विसंगतियों को दूर करने के लिये न्याय प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन की अपेक्षा है। हाल ही में यह बात सामने आई है कि एक मौजूदा न्यायाधीश के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी पाई गई। इस तरह की घटना, किसी भी चल रही जांच के बावजूद, न्यायपालिका की ईमानदारी और निष्पक्षता पर एक बंदनुमा दाग है। न्यायपालिका ईमानदारी, निष्पक्षता और कानून के समक्ष समान व्यवहार के मूल्यों पर आधारित लोकतंत्र के चार स्तंभों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्तंभ है। न्यायालयों की ईमानदारी में जनता और कानूनी समुदाय का विश्वास बहाल करने के उद्देश्य से कानून में क्रांतिकारी बदलाव की अपेक्षा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना भारत के सर्वोच्च न्यायालय के 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में इसके लिये तत्पर हैं और वे न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दे रहे हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छये अंधेरे सायों में सुधार रूमी उम्मीद की किरणें दिखाई देने लगी हैं। स्वल्प समय में ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश



के रूप में वे कई महत्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में हैं। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं, वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस खन्ना के सामने अनेक चुनौतियां हैं, उनका मार्ग कंटकाकीर्ण हैं। उनके द्वारा शुरू किये कानून सुधार-अभियान की किसी पहल का विरोध होना स्वाभाविक है। न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति के लिए बनाए गए कॉलेजियम सिस्टम पर भी सवाल उठाए गए। न्यायिक प्रणाली, जो निष्पक्षता और पारदर्शिता के सिद्धांतों पर टिकी हुई है, न केवल निंदा से परे होनी चाहिए बल्कि जनता द्वारा भी देखी जानी चाहिए। न्यायालयों के भीतर एक व्यापक आत्मनिरीक्षण किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न्यायिक प्रक्रिया बेदाग रहे और न्यायपालिका के बारे में जनता की धारणा को उसके सही परिप्रेक्ष्य पर बहाल किया जा सके। न्यायालयों की निष्पक्षता में आम आदमी का विश्वास सर्वोपरि है, और इस विश्वास को खतरे में डालने वाली

किसी भी घटना से शीघ्रता और विवेकपूर्ण तरीके से निपटा जाना चाहिए। न्यायालयों के कामकाज की पवित्रता बनाए रखने के लिए उनकी समीक्षा की जानी जरूरी है। यह बहुत स्पष्ट है कि कुछ न्यायाधीश, कभी-कभी, व्यक्तिगत पसंद के आधार पर मामलों चुनते देखे जाते हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया की एक रूपांतर और निष्पक्षता को कमजोर करता है। निष्पक्षता सुनिश्चित करने और पक्षपात या पक्षपात की किसी भी झलक से बचने के लिए मामलों का चयन करने का विवेक सीमित होना चाहिए। यह आवश्यक है कि सभी मामलों को एक स्थापित, पारदर्शी रोस्टर प्रणाली के आधार पर निष्पक्ष रूप से आवंटित किया जाए। यह भी न्याय-प्रक्रिया की एक बड़ी विसंगति है कि कुछ वकीलों को केस असाइनमेंट और सुनवाई के समय के मामले में तरजीह दी जाती है। इस तरह की प्रथाएं न्याय की नींव को ही नुकसान पहुंचाती हैं, क्योंकि वे अनुचित पक्षपात का कारण बन सकती हैं। किसी भी वकील को, चाहे उनकी स्थिति या पद कुछ भी हो, न्यायिक प्रक्रिया में अनुचित लाभ प्राप्त करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सर्वप्रथम तो भारत के न्यायपालिका का संस्थागत चरित्र बदलने की जरूरत है। यह सामंती है और इसे इसके स्थान पर लोकतांत्रिक बनाना होगा। संवैधानिक

जजों की चयन प्रक्रिया बहुत ही अलोकतांत्रिक है, जिसमें संविधान में वर्णित हम भारत के लोग इनकी कोई भूमिका नहीं है। यहां पहले से पदासीन चले आ रहे लोग अपनी पसंद के लोगों को चुनकर पदों पर बिठा देते हैं, देखते ही देखते कुछ ही वर्षों में भारत का पूरा न्यायिक तंत्र कुछ परिवारों के कब्जे में आ गया है। वर्तमान सरकार ने परिवारवादी राजनीति के साथ परिवारवादी न्याय-व्यवस्था में सुधार किये हैं। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की न्याय व्यवस्था अभी तक औपनिवेशिक शिकंजे में जकड़ी हुई है। उच्चतर न्यायालयों की भाषा अंग्रेजी है तो अधिकार निचली अदालतों की कार्यवाही और पुलिस विवेचना की भाषा उर्दू है। वह आम आदमी के पल्ले नहीं पड़ती। समय आ गया है कि यह सब आम आदमी की भाषा में हो। वर्षों-वर्ष चले वाले मुकदमों का खर्च भी बहुत ज्यादा है। न्याय प्रक्रिया की कोई सीमा-अवधि नहीं है। इसलिए निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक समस्त न्यायालयों को दो पालियों में चलाने का प्रावधान किया जाना चाहिए। नए न्यायालय भी स्थापित किए जाने चाहिए। न केवल न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए, बल्कि जनसंख्या और लंबित मामलों का संज्ञान लेते हुए न्यायिक

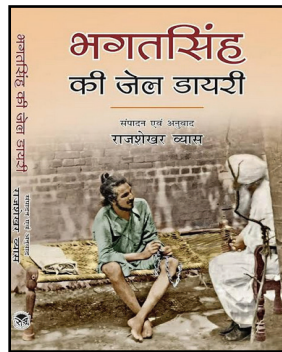
कर्मियों की नियुक्ति भी की जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस खन्ना के ताजा वक्तव्यों में ऐसे ही सुधार को अपनाने के संकेत मिल रहे हैं, जो स्वागतयोग्य होने के साथ सराहनीय भी हैं। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। एक सक्षम न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन करके इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। न्यायपालिका केवल न्याय देने का ही काम नहीं करे, बल्कि सरकार की कमियों पर नजर रखना एवं उसे चेताना भी उसका दायित्व है। न्यायपालिका की हठधर्मिता, विधाधिका और कार्यपालिका का न्यायिक सुधार के संबंध में उपेक्षात्मक रुख साथ-साथ भारतीय जनमानस की उदासीन भूमिका ऐसी जटलाएं हैं जिसने अपार पीड़ा को सहते हुए भी न्यायिक सुधार की दिशा में कदम उठाने के लिए सरकारों पर दबाव बनाने का कार्य कभी नहीं किया गया, जो मिला उसे नियति मानकर स्वीकार कर लिया। अनेक मामलों में अन्यायपूर्ण न्याय को स्वीकारना ही आम जनता की विवशता रही है। भारत को अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और अपने गौरवपूर्ण इतिहास बोध के अनुसार एक वैकल्पिक न्याय तंत्र की स्थापित करना चाहिए, किंतु जब तक यह नहीं होता वर्तमान व्यवस्था में ही कुछ आवश्यक सुधार करके हमें इसे समसामयिक, तीक्ष्ण, समयबद्ध और उपयोगी बनाए रखना चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये।

भगत सिंह की जेल नोटबुक की कहानी



कल्पना पांडे
भगत सिंह और उनके साथी सुखदेव और राजगुरु के शहादत दिवस इसी महीने में हैं। भगत सिंह की जेल डायरी के दिलचस्प इतिहास को समझने का प्रयास इस लेख में मैंने किया है। यह डायरी, जो आकार में एक स्कूल नोटबुक के समान थी, जेल में लिखी गई 43 पुस्तकों के आधार पर नोट्स बनाए, जिनमें कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एंगेल्स और लेनिन शामिल थे। उन्होंने इतिहास, दर्शन और अर्थशास्त्र पर व्यापक नोट्स लिए। भगत सिंह का ध्यान न केवल उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष पर था, बल्कि सामाजिक विकास से संबंधित मुद्दों पर भी था। वे विशेष रूप से पश्चिमी विचारकों को पढ़ने के प्रति झुकाव रखते थे। राष्ट्रवादी संकीर्णता से परे जाकर, उन्होंने आधुनिक वैश्विक दृष्टिकोणों के माध्यम से मुद्दों को हल करने की वकालत की। यह वैश्विक दृष्टिकोण उनके समय के केवल कुछ नेताओं, जैसे महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और डॉ. आर. अंबेडकर के पास था। 1968 में, भारतीय इतिहासकार जी. देवल को भगत सिंह के भाई, कुलबीर सिंह के साथ भगत सिंह की जेल डायरी की मूल प्रति देखने का अवसर मिला। अपने नोट्स के आधार पर, देवल ने पत्रिका पीपल्स पाथ में भगत सिंह के बारे में एक लेख लिखा,

जिसमें उन्होंने 200 पृष्ठ की डायरी का उल्लेख किया। अपने लेख में, जी. देवल ने उल्लेख किया कि भगत सिंह ने पूंजीवाद, समाजवाद, राज्य की उत्पत्ति, मार्क्सवाद, साम्यवाद, धर्म, दर्शन और क्रांतियों के इतिहास जैसे विषयों पर टिप्पणियाँ की थीं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि डायरी को प्रकाशित किया जाना चाहिए, लेकिन यह साकार नहीं हुआ। 1977 में, रूसी विद्वान एल.वी. मित्रोखोव को इस डायरी के बारे में जानकारी मिली। कुलबीर सिंह से विवरण एकत्र करने के बाद, उन्होंने एक लेख लिखा जो बाद में 1981 में उनकी पुस्तक लेनिन एंड इंडिया में एक अध्याय के रूप में शामिल किया गया। 1990 में, लेनिन एंड इंडिया का हिंदी में अनुवाद किया गया और प्रगति प्रकाशन, मांस्को द्वारा लेनिन और भारत शीर्षक के तहत प्रकाशित किया गया। दूसरी ओर, 1981 में, जी.बी. कुमार ह्यूजा, जो उस समय गुरुकुल कांगड़ी के कुलपति थे, ने दिल्ली के गुगलकाबाद के पास गुरुकुल इंद्रप्रस्थ का दौरा किया। प्रशासक, शक्तिवेश, ने उन्हें गुरुकुल के तहखाने में संग्रहीत कुछ ऐतिहासिक दस्तावेज दिखाए। जी.बी. कुमार ह्यूजा ने इस नोटबुक की एक प्रति कुछ दिनों के लिए उधार ली, लेकिन वे इसे वापस नहीं कर सके क्योंकि शक्तिवेश की कुछ समय बाद हत्या कर दी गई। 1989 में, 23 मार्च के शहादत दिवस के अवसर पर, हिंदुस्तानी मंच की कुछ बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें जी.बी. कुमार ह्यूजा ने भाग लिया। वहाँ, उन्होंने इस डायरी के बारे में जानकारी साझा की। इसके महत्व से प्रभावित होकर, हिंदुस्तानी मंच ने इसे प्रकाशित करने का निर्णय घोषित किया। जिम्मेदारी भारतीय पुस्तक क्रॉनिकल (जयपुर) के संपादक भूपेंद्र ह्यूजा को दी गई, जिसमें हिंदुस्तानी मंच के महासचिव सरदार ओबेरॉय, प्रो. आर.पी. भटनागर और डॉ. आर.सी. भारतीय का समर्थन था। हालांकि, बाद में दावा किया गया कि वित्तीय



कठिनाइयों ने इसके प्रकाशन को रोक दिया। यह स्पष्टीकरण अविश्वसनीय लगता है, क्योंकि यह संभावना नहीं है कि उपरोक्त शिक्षित मध्यम वर्ग के व्यक्तियों उस समय कुछ प्रतियां छापने का खर्च नहीं उठा सकते थे जब लागत अपेक्षाकृत कम थी। यह अधिक फोटोकॉपी प्राप्त की और इसे डॉ. आर.सी. भारतीय को दिखाया। मांस्को की प्रति गुरुकुल इंद्रप्रस्थ के तहखाने से प्राप्त हस्तलिखित प्रति के साथ शब्दशः समान पाई गई। कुछ महीनों बाद, 1991 में, भूपेंद्र ह्यूजा ने भारतीय पुस्तक क्रॉनिकल में इस नोटबुक के अंश प्रकाशित करना शुरू किया। यह पहली बार था जब शहीद भगत सिंह की जेल नोटबुक पाठकों तक पहुंची। इसके बाद, प्रो. चमनलाल ने ह्यूजा को सूचित किया कि उन्होंने दिल्ली के नेहरू स्मारक संग्रहालय में एक समान प्रति देखी थी। 1994 में, जेल नोटबुक को अंततः भारतीय पुस्तक क्रॉनिकल द्वारा पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया, जिसमें भूपेंद्र ह्यूजा और जी.बी. ह्यूजा द्वारा लिखित एक प्रस्तावना थी। हालांकि, उनमें से किसी को भी यह पता नहीं था कि पुस्तक की मूल प्रति भगत सिंह के भाई, कुलबीर सिंह के पास थी। वे जी. देवल के लेख (1968) और मित्रोखिन की पुस्तक (1981) से भी अनभिज्ञ थे। इसके

अलावा, भगत सिंह की बहन बीबी अमर कौर के बेटे डॉ. जगमोहन सिंह ने कभी भी इस जेल नोटबुक का उल्लेख नहीं किया। इसी तरह, भगत सिंह के भाई कुलतार सिंह की बेटी वीरेंद्र संधू ने भगत सिंह पर दो पुस्तकें लिखीं, लेकिन उन्होंने भी इस डायरी का संदर्भ नहीं दिया। इससे पता चलता है कि भगत सिंह के परिवार के सदस्य या तो नोटबुक के अस्तित्व से अनभिज्ञ थे या उसमें कोई रुचि नहीं रखते थे। हालांकि कुलबीर सिंह के पास डायरी थी, लेकिन उन्होंने कभी भी इसे इतिहासकारों के साथ साझा करने, इसे पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने या समाचार पत्रों में जारी करने का प्रयास नहीं किया। उनकी वित्तीय स्थिति इतनी खराब नहीं थी कि वे इसे स्वयं प्रकाश दुर्भाग्यपूर्ण हैं कि भारतीय इतिहासकारों ने इस महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज को उपेक्षा की, और इसे पहली बार एक रूसी लेखक द्वारा प्रकाशित किया गया। कांग्रेस पार्टी, जो सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही, ने स्वतंत्रता आंदोलन में भगत सिंह के बौद्धिक और वैचारिक योगदान के बारे में कोई ज़िज्ञासा नहीं दिखाई। उनके साथ वैचारिक मतभेद शायद यही कारण रहे होंगे कि उन्होंने कभी भी भगत सिंह के विचारों और कार्यों पर शोध करने पर ध्यान नहीं दिया। भगत सिंह अनुसंधान समिति की स्थापना के बाद, भगत सिंह के भतीजे, डॉ. जगमोहन सिंह, और जेएनयू के भारतीय भाषा केंद्र के प्रोफेसर चमनलाल ने 1986 में पहली बार भगत सिंह और उनके साथियों के लेखन को संकलित और प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था भगत सिंह और उनके साथियों के दस्तावेज। उस प्रकाशन में भी जेल नोटबुक का कोई उल्लेख नहीं था। यह केवल 1991 में प्रकाशित दूसरे संस्करण में संदर्भित किया गया था। वर्तमान में, इस पुस्तक का तीसरा संस्करण उपलब्ध है, जिसमें दोनों विद्वानों ने कई दुर्लभ जानकारी को जोड़ने और पाठकों को प्रस्तुत करने का अभूतपूर्व कार्य किया है।

देश की भाषिक योजना और हिंदी

विजय गर्ग
देश में आजादी का आंदोलन और हिंदी की स्वीकार्यता दोनों कार्य समांतर चल रहे थे। उस समय अंग्रेजों और अंग्रेजी दोनों के बरक्स हिंदी एक औजार की तरह कार्य कर रही थी। यही कारण था कि बाद में हिंदी स्वतंत्र भारत की भाषिक अभिव्यक्ति बनी। इसके पीछे सिर्फ महात्मा गांधी नहीं, देशभर के स्वतंत्रता सेनानी इस मत के साथ कार्य कर रहे थे कि देश के लोकतंत्र की भाषा हिंदी होगी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी हिंदी को केंद्रीय स्तर पर राजभाषा का दर्जा दिया गया। हालांकि इसके साथ अंग्रेजी को भी राजभाषा का दर्जा मिला था, जिसके मूल में अंग्रेजी की विरासत और कुछ छिटपुट हिंदी विरोध था। मगर तब से और आज तक धरातल पर बहुत कुछ बदल चुका है। वर्ष 2001 और 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर निकले निष्कर्ष को देखें, तो हिंदी विरोध के गुब्बारे में सुई जमीनी स्तर से चुभाई जा रही है। इसलिए राजनीति में नकारात्मक भाषाई मुद्दों को चुनने का ढर्रा अब बदल देना चाहिए। निराशा की बात है कि ऐसा नहीं रहा और दिनों-दिन इस तरह के मुद्दे उठाए जाने लगे हैं। दरअसल, हिंदी बोलने वालों की जो जनसंख्या वर्ष 2001 में थी, उसमें 2011 तक अखिल भारतीय स्तर पर 25.19 फीसद की वृद्धि हुई, लेकिन यही विस्तार किसी पूर्ण राज्य के रूप में तमिलनाडु में सबसे ऊपर है, जो अब 107.62 फीसद है। आगे यह केरल में 96.80, गोवा में 95.40, गुजरात में 78.53 और कर्नाटक में 49.71 फीसद है। हिंदी-विस्तार का यही आंकड़ा उत्तर प्रदेश 23.86 फीसद, बिहार में 33.08 और मध्यप्रदेश में 2.15 फीसद है। गौरतलब है कि यह क्षेत्र कथित रूप से हिंदी प्रदेश है और यहां इन दस वर्षों के अंतराल में जनसंख्या के कुल विस्तार वाले फीसद की अवहेलना भी नहीं की जा सकती है। लिहाजा, धारणा से विपरीत हिंदी का मूल विस्तार उन्हीं क्षेत्रों में अधिक हुआ है, जहां जहां परंपरागत

रूप हिंदी का प्रभाव नहीं माना गया है और उसमें भी तमिलनाडु सबसे ऊपर है। गौरतलब है वहां हिंदी को थोपा नहीं गया है, हिंदी-विरोध तो वहां की राजनीति का केंद्रीय तत्त्व है। दरअसल, ऐसा इसलिए हो रहा है कि आज अंतरराष्ट्रीय रोजगार, शिक्षा और मनोरंजन आदि की चाहत में लोगों ने हिंदी सीखी है या इन्हीं कारणों से विस्मयानु हुआ है। यदि हिंदी को थोपना होता, तो यह संविधान की मूल मंशा के अनुरूप आज देश की अनिवार्य राजभाषा होती, लेकिन यह सच्चाई किसी से नहीं छिपी है कि स्वतंत्रता के इतने साल बाद भी सरकारों का कामकाज की भाषा स्वाभाविक रूप से अंग्रेजी ही है। जाहिर है कि हिंदी अपनी जमीन से आगे बढ़ रही है, ऊपर से थोपी नहीं गई है इस क्रम में हिंदी को लेकर कुछ बने बाबा भ्रम से देश जितना जल्दी जल्दी निकल जाए, तो अच्छा होगा। सर्वप्रथम तो यही कि 'हिंदी पट्टी' जैसी कोई चीज वास्तविक धरातल पर नहीं है। यह सिर्फ ग्रियर्सन (1928) द्वारा प्रस्तावित 'हिंदी बेल्ट' का अनुवाद है, जिसे रामकृष्ण शर्मा आदि सरीखे विद्वानों ने हिंदी में जड़भूत कर दिया। जिस बड़े क्षेत्र को ग्रियर्सन ने 'हिंदी बेल्ट' कहा था, उसी में से बिहार को 'बिहारी भाषा' वाला क्षेत्र बताया था। आज अगर इस भाषा को खोजा जाएगा, तो न तो वास्तव में कोई 'बिहारी भाषा' का अस्तित्व है और न ही 'हिंदी बेल्ट' का वास्तव में इस पट्टी में हिंदी से अधिक प्यार होने वाली दूसरी सैकड़ों भाषाएं हैं और ये सभी लोग हिंदी को उसी व्यावहारिकता के धरातल पर खड़ा होकर स्वीकार करते हैं, जैसे देश के दूसरे हिस्सों के लोग। गौरतलब है कि जिस कथित हिंदी पट्टी को हिंदी का ज्ञाता समझ लिया जाता है, वहां हिंदी को अलग से सीखा जाता है। यहां दूर-दराज के क्षेत्रों में आज भी हिंदी उसी तरह है, जैसे बंगाल, असमिया और गुजराती आदि हो सकती है। यहां तक कि हिंदी का प्रांतीय स्वरूप अपने आप में भिन्न है, जो हिंदी के लोकतांत्रिक चरित्र का सबसे सुंदर उदाहरण है।

मुख्यमंत्री कप कबडडी प्रतियोगिता खेल संस्कृति में सम्मान का एक पृष्ठ :रवींद्र चव्हाण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने कल यहां कहा कि ठाणे में आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट महाराष्ट्र की खेल संस्कृति में सम्मान का एक पन्ना होगा। इस बीच, राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और पूर्व भाजपा सांसद किरिट सोमैया ने भी प्रतियोगिता में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए सहभागी खिलाड़ियों और आयोजकों का उत्साह वर्धन किया। महाराष्ट्र राज्य कबड्डी एसोसिएशन की ओर से ठाणे में बुधवार से ठाणे जिला कबड्डी एसोसिएशन की मेजबानी में विश्वास सोशल सोसायटी, शारदा संकल्प प्रतिष्ठान और ठाणे मनपा के सहयोग से 72वीं पुरुष श्री कृष्ण ट्रॉफी और सेल्फ फॉरेनुमेन ग्रुप का आयोजन किया जा रहा है।। पावतीबाई कप राज्य चैम्पियनशिप चयन परीक्षा मुख्यमंत्री कप कबड्डी टूर्नामेंट-2025 ठाणे में शुरू हो गया है। ठाणे शहर के कैडबरी जंक्शन पर जे. के. केमिकल कंपनी परिसर में स्व. अटल बिहारी वाजपेई स्पोर्ट्स सिटी के मैदानों पर कबड्डी का रोमांचक खेल चल रहा है। इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए रवींद्र चव्हाण ने प्रतियोगिता का अवलोकन किया। उस समय उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन की सराहना की। राज्य एवं जिला स्तरीय कबड्डी एसोसिएशन के पदाधिकारियों, विश्वास सोशल सोसायटी के अध्यक्ष और भाजपा के ठाणे शहर अध्यक्ष संजय वाघुले और पूर्व नगर सेवक कृष्णा पाटील ने उत्कृष्ट तरीके से प्रतियोगिता का आयोजन किया। भाजपा विधायक रवींद्र चव्हाण ने कहा कि यह खुशी की बात है कि ठाणे शहर के उभरते हुए कबड्डी खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के माध्यम से राज्य के शीर्ष खिलाड़ियों का खेल देख सकते हैं। इससे पहले विधायक रवींद्र चव्हाण ने परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के साथ कबड्डी मैच में सिकके उछाले थे। उन्होंने हाथ हिलाकर खिलाड़ियों को बधाई दी। पूर्व भाजपा सांसद किरिट सोमैया ने भी टूर्नामेंट का दौराकर शुभकामनाएं दीं।



धूप ,गर्मी से बचाने के लिए मनपा सड़क बनाए जालीदार शेड, वाहन चालकों की धूप से राहत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , इस समय भीषण गर्मी चल रही है जिसके चलते मनपा ने प्रयोग के तौर पर गोखले रोड से नाके की ओर जाने वाली सड़क पर जालीदार शेड लगा दिया है, ताकि वाहन चालकों को सिमनल का इंतजार करते समय गर्मी का एहसास न हो। मनपा की प्रायोगिक आधार पर यह पायलट प्रोजेक्ट चर्चा का विषय बन गया है। नागरिक सुविधाएं मुहैया कराने के साथ दो कदम आगे बढ़कर नागरिकों को चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी से बचाने की मनपा ने पहल शुरू की है। गौरतलब है कि मनपा स्वच्छता, जलापूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी अनेक नागरिक सुविधा मुहैया कराने का कार्य करती है। तापमान बढ़ने पर मनपा की ओर से नागरिकों को धूप और गर्मी से बचने के लिए सुझाव दिए जाते हैं। नागरिकों को गर्मी और धूप से बचने के आवश्यक न होने पर तेज धूप के समय



बाहर न निकलने की सलाह दी जाती है। इस बार मनपा दो कदम आगे बढ़कर सिमनल और ट्रैफिक वाले स्थानों पर जालीदार शेड लगाने की शुरुआत की है। यह गतिविधि मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार क्रियान्वित की जा रही है। गोखले रोड पर यह ग्रिड 100 फीट लंबा, 25 फीट चौड़ा है और सड़क से इसकी ऊंचाई 20 फीट है। इस जाल से वाहन चालकों को कुछ राहत मिलेगी। ठाणे मनपा का इरादा कुछ अन्य स्थानों पर ऐसे जाल लगाने का है। छाया के

लिए सड़कों के किनारे पेड़ लगाने की पुरानी परंपरा रही है। शहरी क्षेत्रों में सड़क किनारे जगह के अभाव में पेड़ों की संख्या में कमी आ रही है। ठाणे शहर में सड़क किनारे पेड़ों की अच्छी संख्या है जिससे धूप और गर्मी से कुछ हद तक राहत मिलती है। गर्मी से बचाव के लिए पेड़ों, नदियों और तालाबों को महत्वपूर्ण माना जाता है। ठाणे शहर में नदी तो नहीं लेकिन खाड़ी का एक बड़ा हिस्सा जरूर है। तालाबों के शहर या लेक सिटी के रूप में जाना जाने वाले ठाणे शहर आज तालाबों की अच्छी संख्या है। पेड़ों की कमी को पूरा करने में उड़ान पुल और मेट्रो लाइन कुछ हद तक मददगार साबित हो रही है। शहर में मुलुंड चेकनाका एलबीएस मार्ग से घोड़बंद रोड की ओर जाने वालों को मेट्रो लाइन की छाया से धूप और बरसात से राहत मिल है। विकास की चकाचौंध में मानव पेड़ों, तालाबों का महत्व भूल जाता है धूप और गर्मी पेड़ों के महत्व की याद दिलाती है।

पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन एवं जलवायु परिवर्तन को लेकर शासन प्रशासन से पर कार्य अवश्य किए जाते हैं लेकिन इसमें आम लोगों की हिस्सेदारी उतनी ही आवश्यक है। अब ठाणे मनपा के नए प्रयास का अन्य प्रतिष्ठानों द्वारा अनुकरण किया जा चाहिए। शिव शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष विनय सिंह ने कहा है कि गत कई वर्षों से हमारी संस्था स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता अभियान चला रही है। शिव शांति प्रतिष्ठान और संस्कार क्लासेस हमारी दोनों संस्था अपने स्तर वृक्षारोपण करने के साथ उन्हें आवश्यक पानी देने का प्रयास करती है। बच्चों में पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन को लेकर जनजागरण किया जाता है। इस अभियान में देश सभा नागरीकों अपन कर्तव्य समझकर अपने स्तर पर सहभागी होना चाहिए। जो जहां है वहीं जीवन बचाने के लिए पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन और जलवायु परिवर्तन के लिए योगदान देने के लिए आगे आए।

रमजान एवं गुड़ी पड़वा पर्व के मौके पर मुंब्रा पुलिस ने किया लठ मार्च

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , रमजान त्योहार के महीने के साथ-साथ आगामी गुड़ी पड़वा त्योहार के दौरान मुंब्रा क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द, कानून और सुव्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस एक रूट मार्च निकाला गया। तनवर नगर नाका कौसा कब्रिस्तान, अलमास कॉलोनी नाका वापस साहिल होटल अमृत नगर दारुल फलाह मस्जिद - अमृत नगर चौकी - दरगाह रोड - फकरुद्दीन शाह दरगाह अंबेडकर नगर , अचानक नगर शंकर मंदिर नाका से रूट मार्च निकाला गया। उक्त रूट मार्च में उत्तम कोलेकर सहायक आयुक्त कलवा परिमंडल के मार्गदर्शन में 5 अधिकारी , मुंब्रा पुलिस 16 पुलिस कर्मचारी, मुख्यालय एवं राज्य रिजर्व पुलिस बल के अधिकारी और पुलिस कर्मी समेत कुल 8 अधिकारी 45 कर्मी रूट मार्च में शामिल थे। मुस्लिम समुदाय का रमजान और हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा के मद्देनजर मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ निरीक्षक अनिल शिंदे अपने क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सक्रिय है। वे निरंतर समाज के विविध घटकों से मिलकर उनसे संपर्क कर रहे हैं। गत दिनों नागपुर में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प को देखते हुए मुंब्रा क्षेत्र में किसी भी गड़बड़ी से निपटने और कानून व सुव्यवस्था रखने के लिए पुलिस सभी आवश्यक कदम उठा रही है।



ट्रेन से गिरा यात्री:एक हाथ और पैर कटा पहचान नहीं, जीआरपी पुलिस ने मेडिकल कालेज भेजा

शाहजहापुर, रेलवे स्टेशन के आउटर पर एक यात्री चलती ट्रेन से गिरकर ट्रैक पर आ गया। हादसे में यात्री का एक हाथ और एक पैर कट गया। घायल यात्री को तुरंत जीआरपी की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर चोटों के कारण यात्री बोलने की स्थिति में नहीं है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यात्री का नाम सतीश बताया जा रहा है। जीआरपी के जवान घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। पुलिस ने यात्री की पहचान करने का प्रयास किया। लेकिन गंभीर हालत के कारण यह संभव नहीं हो सका। फिलहाल यात्री का अस्पताल में इलाज जारी है। जीआरपी का कहना है कि यात्री के होश में आने के बाद ही उसकी पूरी पहचान और यात्रा के विवरण की जानकारी मिल पाएगी। इससे यह पता चल सकेगा कि वह किस जिले का रहने वाला है और कहां से कहां यात्रा कर रहा था।

नहर किनारे रेत में दबा मिला महिला का शव

पुवायां में जानवरों के कुरेदने पर बाहर आई लाश, पुलिस ने हत्या की जताई आशंका

शाहजहापुर , बंडा थाना क्षेत्र में एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शारदा नहर के किनारे सिंगपुर खास बेहड़ा बाजार के पास रेत में दबा शव सड़ी-गली हालत में मिला। पुलिस के अनुसार, शव करीब एक सप्ताह पुराना है। जानवरों के कुरेदने से शव रेत से बाहर आ गया। खेत पर काम कर रहे ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुवायां और बंडा थाने की पुलिस पहुंची। मृतक महिला को उम्र 30 से 35 वर्ष के बीच आंकी गई है। वह गुलाबी सूट और आसमानी रंग की सलवार पहने हुई थी। उसके गले में लाल धागा और पैरों में काला धागा बंधा हुआ था।

विश्व जल दिवस पर मोरबे बांध सहित नवी मुंबई क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर सामूहिक जल शपथ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई ,जल एक महत्वपूर्ण वस्तु है और जल को जीवन की कहा जाता है। पृथ्वी पर पीने योग्य पानी की सीमित मात्रा को ध्यान में रखते हुए, उपलब्ध जल संसाधनों का संरक्षण और पानी का किफायती उपयोग बहुत महत्वपूर्ण है। 1993 से संयुक्त राष्ट्र ने 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' के रूप में मनाया शुरू किया। सतत जल प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस वर्ष के विश्व जल दिवस का विषय 'हिमनद संरक्षण' है। आज नवी मुंबई में पानी की बबादी रोकने और जल संवर्धन के लिए जल शपथ ली मनपा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में, विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में 'माजी वसुंधरा' अभियान के तहत विभिन्न विभागों में विभिन्न जल जागरूकता गतिविधियां लागू की गईं। मनपा के विभिन्न जल निकायों और पॉपिंग हाउसों के साथ-साथ मोरबे बांध परियोजना और भोर पारपाड़ा जल शुद्धिकरण केंद्र पर सामूहिक जल शपथ ली गई। विभिन्न स्थानों पर अपर



नगर अभियंता अरविन्द शिंदे एवं अन्य अभियंता एवं अधिकारी, कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। खास बात यह है कि इस बार स्थानीय नागरिकों ने भी हिस्सा लिया और जल शपथ ली। हम इस सुंदरता को बचा सकते हैं और अपना भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं। इसके लिए जल शपथ में जल बचाने और जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने का संकल्प इस आशय के साथ लिया गया कि मैं देश के जल रक्षक के रूप में कार्य करता रहूंगा। साथ ही यह शपथ भी ली गई कि मैं बूंद-बूंद पानी का संचय कर 'केच द रेन' अभियान की सफलता में पूरा सहयोग दूंगा और पानी को अनमोल

संपत्ति मानकर इसका उपयोग करूंगा। प्रतिज्ञा में यह भी उल्लेख किया गया है कि मैं अपने परिवार और दोस्तों और पड़ोसियों को पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने और पानी की बबादी से बचने के लिए प्रेरित करूंगा। यद्यपि नवी मुंबई अपने स्वयं के मोरबे बांध के कारण जल-समृद्ध शहर है, विश्व जल दिवस के अवसर पर मनपा की ओर से विभिन्न मीडिया जैसे फ्लेक्स बैनर, स्टैंड, होर्डिंग्स के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति से यह जानने का आग्रह किया गया है कि उन्हें कितने पानी की आवश्यकता है और केवल आवश्यक मात्रा में ही पानी का उपयोग करें।

महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024-25 के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न।

- मुंबई के रंग शारदा सभागृह में सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार की अध्यक्षता में आयोजन।
- सिंधी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष महेश सुखरमानी के मार्गदर्शन में आयोजन का सफलता पूर्वक समापन।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क



उल्हासनगर. महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024-2025 का पुरस्कार वितरण समारोह गुरुवार 20 मार्च को मुंबई के रंग शारदा सभागृह में भव्य और रंगारंग कार्यक्रम के रूप में संपन्न हुआ। उक्त पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन सिंधी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष महेश सुखरमानी के मार्गदर्शन में किया गया। समारोह में कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक मंत्री और मुंबई उपनगर के पालक मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार विशिष्ट रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने के कर कमलों से 2024-2025 के सिंधी साहित्य अकादमी पुरस्कारों का वितरण किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत विशिष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम सिंधियत की खुशबू का मंचन किया गया जिसने उपस्थित सभी लोगों को आनंदित किया। कार्यक्रम के दौरान कार्याध्यक्ष महेश सुखरमानी ने सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार से सिंधी साहित्य अकादमी की निधि और पुस्तक प्रकाशन की धनराशि को दगुना करने की मांग रखी, जिसे मंत्री आशीष शेलार ने सहर्ष स्वीकार करते हुए इसे शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया। पुरस्कार वितरण समारोह के अंतर्गत अखिल भारतीय जीवन गौरव

सम्मान डॉ. जगदीश लाछनी को प्रदान किया गया। वाङ्मय पुरस्कार के अंतर्गत डॉ. भारत खुशलानी, कोमल सुखवानी, प्रिया वछानी, हासानंद सतपाल को दिया गया। इसके अंतर्गत प्रत्येक को 50 हजार रुपए का नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिया गया। पत्रकारिता का पुरस्कार विनोद रोहाणी को दिया गया इसके अंतर्गत 25 हजार रुपए का नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिया गया। अनुवाद पुरस्कार जूली तेजवानी को दिया गया। 125 हजार रुपए नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। समारोह में अखिल भारतीय जीवन गौरव सम्मान, सिंधी साहित्य पुस्तक पुरस्कार, पत्रकारिता पुरस्कार, काव्य पुरस्कार और साहित्यिक पुरस्कार प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में दादा लदाराम नागवानी, डॉ. राम जवाहरनी, विक्रय राघवानी, मुरली अद्वानी, गुरुमुख जगवानी, गायक काजल चौदरमानी, अजित मनिहाल, लाल पंजाबी, राजू जगयाशी, काजल रामचंदानी, नीतू कारिया और माला हरवानी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। समारोह के दौरान प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

उल्हास नदी को प्रदूषण मुक्त कराने के लिए मुंडन कराकर और नदी में उतरकर आंदोलन

22 मार्च विश्व जल दिवस के दिन उल्हास नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अनोखा आंदोलन।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. विश्व जल दिवस 22 मार्च के अवसर पर ठाणे जिले की महत्वपूर्ण उल्हास नदी के जल संरक्षण, जल प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए उल्हास नदी को तमाम तरीके के प्रदूषण और अनधिकृत अतिक्रमणों से मुक्त करने के लिए विगत आठ वर्षों से तमाम संगठनों द्वारा आंदोलन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 22 मार्च प्रातः 10 बजे से मी कल्याणकर सामाजिक संस्था, कंडोम्पा के पूर्व नगरसेवक नितिन निकम, उमेश बोरगांवकर, कैलाश शिंदे सहित उल्हास वालधुनी नदी संवर्धन समिति आदि संगठनों ने उल्हास नदी में ही टेंट डालकर उल्हास नदी के संरक्षण और प्रदूषण मुक्ति के लिए अनिश्चितकालीन आंदोलन प्रारंभ कर दिया। आंदोलनकारियों ने शनिवार सुबह 10 बजे अपना मुंडन कराकर आंदोलन प्रारंभ कर दिया। आंदोलनकारियों का कहना है कि



विगत आठ वर्षों से उल्हास नदी की शुद्धि और मुक्ति के लिए आंदोलन किया जा रहा है। इस नदी के शुद्धिकरण और प्रदूषण मुक्ति से ठाणे, कल्याण, डॉ. बिबली, उल्हासनगर, अंबरनाथ I और अन्य शहरों के लोगों की पीने की पानी की समस्या का समाधान होगा। हमारी मांग है कि उल्हास नदी में मिलने वाले सभी प्रदूषित



सोवेज नदी को तत्काल बंद किया जाए। उल्हास नदी की जलकुंभी से मुक्त किया जाए। मोहोने बनधारे के पास एक नया बनधारे का निर्माण किया जाए। नदी से कीचड़ और I और अन्य शहरों के लोगों की पीने की पानी की समस्या का समाधान होगा। हमारी मांग है कि उल्हास नदी में मिलने वाले सभी प्रदूषित

- 1- जल जीवन का आधार है। विश्व जल दिवस प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है।
- 2- विश्व जल दिवस मनाने का उद्देश्य जल संरक्षण और जल संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति लोगों में जागरूकता लाना है।
- 3- विश्व जल दिवस 2025 का विषय ग्लेशियर संरक्षण है।
- 4- विश्व जल दिवस 2025 की थीम अमूल्य जल अमूल्य जीवन है।
- 5- भारत में जल संकट के कारणों में मुख्य हैं अत्यंत जल दोहन, अव्यवस्थित जल प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, बढ़ती हुई जनसंख्या, जल के स्त्रोतों में बढ़ता हुआ प्रदूषण आदि हैं।
- 6- संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1993 से विश्व जल दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ की।
- 7- विश्व में उपलब्ध जल संसाधन का 0.3 प्रतिशत ही मानवों के उपयोग के लिए उपलब्ध है जो नदियों, तालाबों और भूमिगत जल के रूप में उपलब्ध है।

मंडी शुल्क की बड़े पैमाने पर चोरी

पुवायां में व्यापारी बिना गेट पास आलू कर रहे बाहर, किसान परेशान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुवायां , पुवायां तहसील में मंडी शुल्क चोरी का बड़ा मामला प्रकाश में आया है। तहसील के अधिकांश कोल्ड स्टोर व्यापारियों के आलू से भरे पड़े हैं। इस कारण छोटे किसानों को अपना आलू स्टोर करने में दिक्कतें आ रही हैं। व्यापारी रात में ट्रकों में आलू लोड कर बाहर भेज रहे हैं। मंडी समिति पुवायां के अधिकारी और कर्मचारी इस काम में सहयोग कर रहे हैं। हजारों कुंतल आलू को प्रदेश की अन्य मंडियों में बिना उचित दस्तावेजों के भेजा जा रहा है। इससे मंडी शुल्क और विकास शुल्क में भारी नुकसान हो रहा है। जांच में सामने आया है कि 6 आर और 9 आर की रसीद काटी जाती है। लेकिन गेट पास जानी नहीं किया जाता। पकड़े जाने पर मामले को दबा दिया जाता है। ट्रकों में लदा अधिकतर आलू दलालों का



होता है। एक ताजा मामला सामने आया। शाहजहापुर रोड पर मंडी समिति ने एक ट्रक को पकड़ा। उप जिलाधिकारी निचरा निर्वाल के अनुसार, ट्रक में 340 कुंतल आलू था। यह मथुरा के एक व्यापारी का बताया गया। ट्रक ड्राइवर के पास 9 आर था,

लेकिन गेट पास नहीं था। एसडीएम ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कोल्ड स्टोर की जांच कराने का आश्वासन दिया है। मंडी सचिव सर्वेश कुमार शुक्ला से जब इस बारे में संपर्क किया गया, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

नदी में मिले शव की हुई शिनाख्त

पत्नी ने हत्या की जताई आशंका, कुछ दिन पहले घर में हुई थी मारपीट



भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहापुर, एक किसान का शव नदी में मिला था। मृतक की पहचान थाना कांट क्षेत्र के सबतियारा गांव निवासी 35 वर्षीय विमलेश के रूप में हुई है। मृतक की पत्नी नन्दादेवी ने पोस्टमार्टम हाउस में बताया कि विमलेश खेती बाड़ी करते थे। वह शराब के आदि थे। दावत से लौटने के बाद उन्होंने पत्नी के साथ मारपीट की। इस पर नन्दा देवी ने अपने भाई को बुलाया। भाई ने विमलेश के साथ मारपीट कर दी। विमलेश बिना कुछ बताए घर से निकल गए। ग्रामीणों ने नन्दा देवी को बताया कि कुछ लोग विमलेश को पकड़कर ले जा रहे थे। इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। शुक्रवार को उनका शव नदी में मिला। नन्दा देवी का आरोप है कि उनके पति की हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं है तो विमलेश नदी तक कैसे पहुंचे। मृतक तीन बच्चों का पालन-पोषण करते थे। पत्नी ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है।

हाईस्कूल की छात्रा ने की आत्महत्या



भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहापुर, थाना कटरा एक छात्रा के आत्महत्या का मामला सामने आया है। नेशनल हाईवे स्थित एक गांव में 17 वर्षीय हाईस्कूल की छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। छात्रा अपने माता-पिता से दूर चाचा के घर रहकर पढ़ाई कर रही थी। छात्रा का शव उसके कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। रिश्तेदारों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव को फंदे से उतार लिया। देहरादून में एक फैक्टरी में काम करने वाले माता-पिता को जब इस

घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तब शव फंदे पर नहीं था। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के पीछे प्रेम प्रसंग का मामला सामने आ रहा है। पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे परिजनों ने मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया है। थाना प्रभारी ने पुष्टि की है कि छात्रा ने आत्महत्या की है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत संवाद परिवार

- 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
- 2-संरक्षक-भारत संवाद आचार्य पं० पुष्पीनाथ पाण्डेय भाषा विज्ञानी एवं मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
- 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एर सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चव्हेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
- 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद) जगन्नाथ तिवारी
- 5-उपसंपादक (भारत संवाद) माता प्रसाद शर्मा
- 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद) आशीष कुमार शर्मा

कार्टों की जड़ ने अदृशदिव्या कि सूरी को तब तक अमेरिका से नहीं निकाला जाएगा, जब तक अदालत इससे जुड़े आदेश जारी नहीं करती। बदर खान सूरी के वकील ने उन पर लगे आरोपों को खारिज किया है। वकील ने अदालत में दायर एक याचिका में कहा कि सूरी को निशाना इसलिए बनाया जा रहा है, क्योंकि उनको पनी एक फिलिस्तीनी हैं। उनका गिरफ्तारी का मकसद फिलिस्तीनी अधिकारों का समर्थन करने वाले लोगों की आवाज को दबाना है। वकील ने अदालत में

अधिकारों ने आपरा लगाया है कि सूरी ने कोई अपराध किया है या वास्तव में कोई कानून तोड़ा है। उन्होंने अपने विचार रखे हैं, जो कि पूरी तरह से संवैधानिक हैं। सूरी की पनी का मकसद सालोह है। सूरी 2011 में लोगों की मदद के लिए गाजा पहुंचे थे, इस दौरान वेनों की मुलाकात हुई थी। मुफ्त ने नई दिल्ली में जाँमियन फिलिस्तीनी से पोर्ट प्रेजेंटेशन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मफजबे पिता अहमद मुसफ हमारा से जुड़े हुए हैं, जिसे अमेरिका ने एक आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है।

संक्षेप

हाइवे पर बाइक खंभे से टकराई

बिजली विभाग के कर्मचारी की मौके पर मौत, मेरठ जा रहे थे

अमरोहा, गजरौला थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। नेशनल हाईवे-9 पर गांव ख्यालीपुर के पास एक बाइक बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मुरादाबाद के कुंदरकी थाना क्षेत्र के मोहल्ला पैठ बाजार निवासी नूर मोहम्मद (43) के रूप में हुई। वह नगर पंचायत कुंदरकी में बिजली फीडर के पद पर कार्यरत थे। नूर मोहम्मद शनिवार को अपनी बाइक से कुंदरकी से मेरठ जा रहे थे। गजरौला थाना क्षेत्र में ख्यालीपुर ढाल के पास उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को गजरौला सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजन भी सीएचसी पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

टीबी मुक्त भारत के लिए मैराथन

हिमांशु, हरविंदर और अनिल जीते, डीएम-एसपी ने दिखाई हरी झंडी

अमरोहा, जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन ने अमरोहा के गजरौला में 'न टू टूएंड टीबी' मैराथन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड, रोस्टरी क्लब भरतिया ग्राम और खेतान वर्ल्ड स्कूल का सहयोग रहा। डीएम निधि गुप्ता वत्स, एसपी अमित कुमार आनंद और सीडीओ डॉ. एसपी सिंह ने 'टीबी हारेगा, इंडिया जीतेगा' के नारे के साथ मैराथन को हरी झंडी दिखाई। मैराथन खेतान वर्ल्ड स्कूल से तिगरी तक आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में हिमांशु ने प्रथम, हरविंदर ने द्वितीय और अनिल कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्राओं में उर्वशी प्रथम, माही चौधरी द्वितीय और आस्था तृतीय स्थान पर रही। प्रोटीन पाउडर भी दिया गया जुबिलेंट के मेडिकल हेड डॉ. सुजिंदर फोगाट ने बताया कि संस्था ने टीबी रोगियों के लिए देश का पहला आईवीआर सिस्टम विकसित किया है। यूनिट हेड विनोद झा ने विजेताओं को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की।

मंदिर के पास शराब की दुकान का विरोध

हसनपुर में हनुमानगढ़ी मंदिर से 50 मीटर दूर खुली दुकान, ग्रामीणों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

हसनपुर, अमरोहा के रहरा गांव में हनुमानगढ़ी मंदिर के पास अंग्रेजी शराब की दुकान खोले जाने के विरोध में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। ग्राम प्रधान बबली देवी ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पहले से चल रही शराब की दुकान से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अप्रैल से जो नई दुकान खोली जा रही है, वह प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर से मात्र 50 मीटर की दूरी पर है। इस स्थान के आस-पास घनी आबादी है।

भक्ति और आस्था का संगम

भागवत कथा से पहले कलश यात्रा, शिव-पार्वती विवाह कथा का वर्णन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, जयसिंहपुर तहसील के करसा गांव में काली माता चौरा पर सात दिवसीय श्री मद्भगवत कथा का आयोजन शुरू हुआ। कथा से पूर्व सैकड़ों महिलाओं और युवतियों ने भव्य कलश शोभायात्रा में भाग लिया। यात्रा पूरे गांव का घूमण कर कथा स्थल पर संपन्न हुई। अयोध्या से आए कथावाचक शिवाधर मिश्र ने सायंकालीन कथा में भगवान के विभिन्न स्वरूपों की महिमा का वर्णन किया। कार्यक्रम में पंडित दिलीप

चतुवेदी, जितेंद्र सिंह, शिवनाथ सिंह, कुलदीप सिंह उर्फ पिंटू, नकुल और पूर्व प्रधान अजीत सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। दूसरी ओर, पारसपट्टी (कोडिहवा) के रसहा बाबा मंदिर में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन अयोध्या से पधारे कथाव्यास पंडित सतीश चंद्र शास्त्री ने शिव-पार्वती विवाह प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि माता सती के आत्मदाह के बाद पार्वती रूप में हिमालयराज के घर जन्म लिया। कठोर तपस्या से प्रसन्न हुए शिव ने पार्वती से विवाह किया। कथा में पारसपट्टी, हांसापुर, महमूदपुर जंगल और पांडेयबाबा आदि गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सत्यशील त्रिपाठी, गुड्डू तिवारी, रमाशंकर पांडेय सहित अनेक महिलाएं भी कथा श्रवण में शामिल हुईं।

श्रीराम कथा के तीसरे दिन अयोध्या से पधारे कथाव्यास पंडित सतीश चंद्र शास्त्री ने शिव-पार्वती विवाह प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि माता सती के आत्मदाह के बाद पार्वती रूप में हिमालयराज के घर जन्म लिया। कठोर तपस्या से प्रसन्न हुए शिव ने पार्वती से विवाह किया। कथा में पारसपट्टी, हांसापुर, महमूदपुर जंगल और पांडेयबाबा आदि गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सत्यशील त्रिपाठी, गुड्डू तिवारी, रमाशंकर पांडेय सहित अनेक महिलाएं भी कथा श्रवण में शामिल हुईं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, चाइनीज मांझे से एक और गंभीर हादसा सामने आया है। जार्जटाउन थाना क्षेत्र में कुंदन गेस्ट हाउस के पास बाइक से जा रहे युवक की गर्दन चाइनीज मांझे से बुरी तरह कट गई।

घायल युवक की पहचान धूमनगंज के प्रीतम नगर निवासी संकल्प सहाय के रूप में हुई है। वह अल्लापुर के एक निजी अस्पताल में काम करते हैं।

हादसा उस वक्त हुआ जब वह अपनी ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे। संकल्प को अचानक गर्दन में जलन और दर्द महसूस हुआ। जब



उन्होंने गर्दन पर हाथ लगाया तो खून

निकल रहा था। इसके बाद वह बेहोश

होकर सड़क पर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने तुरंत उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

डॉक्टरों ने तत्काल सर्जरी कर उनकी गर्दन में 51 टांके लगाए। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंचे। उन्होंने थाना पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

प्रीतम नगर की पार्श्व सुनीता ने पुलिस और प्रशासन से चाइनीज मांझा बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जार्जटाउन थाना प्रभारी ने बताया कि अभी तक पीड़ित परिवार से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलते ही कार्रवाई की जाएगी।

गुणवत्ता और समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निदेश

डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, अमेठी में पुलिस लाइन का निर्माण जारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, अमेठी में जिलाधिकारी निशा अनंत और पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने निर्माणाधीन पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने पुलिस लाइन के मॉडल का अवलोकन किया और निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने पुलिस लाइन में बन रहे आवासीय भवन, बैरक, खेल मैदान, परेड ग्राउंड और शौचालय की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बिजली, पानी कनेक्शन, इंटेनेज सिस्टम और इंटरनल सीसी रोड निर्माण की जानकारी भी ली। कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि श्रमिकों की

संख्या बढ़ाकर काम में तेजी लाएं। साथ ही परिसर में पेड़-पौधे और हरियाली के लिए धास लगाने को कहा। इसके बाद जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन जिला कारागार का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्धारित समय



सीमा में गुणवत्तापूर्ण काम पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र सिंह, उपजिलाधिकारी गौरीगंज प्रीति तिवारी, अधिशासी अभियंता लोनिवि शैलेंद्र कुमार और कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

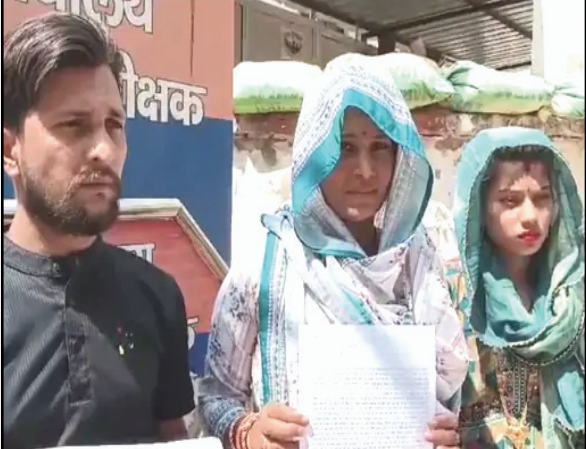
कुत्ते के विवाद में युवक को कार से कुचला

पति को कुचलने के बाद भी आरोपी फरार, पीड़िता ने एसपी से लगाई गुहार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, पालतू कुत्ते को लेकर हुए विवाद का मामला हिंसक मोड़ ले लिया। स्वराज कॉलोनी स्टेडियम के पास 14 मार्च की रात को अंकुर सिंह कछवाह ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर शैलेंद्र गुप्ता को कार से कुचल दिया।

घटना के बाद गंभीर रूप से घायल शैलेंद्र को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज और फिर कानपुर के अस्पताल रेफर किया गया। वर्तमान में उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। पीड़िता शिकन गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक को बताया कि इस घटना की पृष्ठभूमि में पालतू कुत्ते को लेकर हुआ विवाद था। अंकुर ने इसको लेकर अभद्रता की थी। पुलिस के कहने पर उन्होंने कुत्ते को



बाहर छोड़ दिया था। अंकुर सिंह और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं की है।

पीड़ित परिवार को अपनी जान का खतरा है। पुलिस अधीक्षक ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

रेलवे ट्रैक पर आत्महत्या की कोशिश

अमेठी में ट्रेन की चपेट में आने से बायां हाथ कटा, भाभी से हुआ था विवाद



भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के गंगा बक्श का पुरवा गौरीपुर गांव में भाभी से हुए विवाद के बाद एक युवक ने आत्महत्या का प्रयास किया। 125 वर्षीय दीपक पुत्र राम शंकर की देर रात भाभी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद के बाद वह आवेश में आकर लखनऊ-वाराणसी रेल मार्ग स्थित ताला रेलवे स्टेशन के पास गेट नंबर 5 पर पहुंच गया। वहां उसने रेलवे ट्रैक पर लेटकर जान देने की कोशिश की।

युवक ने जलकल कर्मी पर किया फरसे से हमला

प्रयागराज की श्रमिक बस्ती में हुई घटना, पीवीआर को देखकर मौके से भागा आरोपी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, श्रमिक बस्ती इलाके में बीमा अस्पताल के पास नशे में धुत एक युवक ने जलकल कर्मी पर फरसा से हमला करके जान से मारने की कोशिश की।

जिससे वहां पर हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने युवक को किसी प्रकार नियंत्रित किया। उधर सूचना पर पहुंची पीवीआर को देख आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। उसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। बीमा अस्पताल के पास गुरुवार को मेन पाइप लाइन फट गई थी। इसके कारण भारी मात्रा में पानी बह रहा था। जिसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने की। इस पर जलकल विभाग की टीम सुबह नौ बजे अधिकांश नलकूप बंद करवाने के बाद



विभाग की ओर से मजदूर पाइप लाइन को ठीक कराने का कार्य चल रहा था। दोपहर में एक युवक काम बंद करने की जिद करते हुए कर्मचारियों से गाली गलौज करने लगा। वह हाथ में फरसा लेकर कर्मचारियों और मजदूरों को धमकाने लगा। इसके बाद नशे में धुत युवक कर्मचारियों पर हमला करने

के लिए उनको दौड़ा लिया। जिसको देखकर कर्मचारी मौके से भाग गए। तभी कुछ स्थानीय लोगों ने युवक को पीछे से पकड़ लिया। घटना की सूचना कर्मचारियों ने पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पीवीआर को देखकर आरोपी युवक मौके से फरार हो गया।

तेज रफ्तार पिकअप पलटी और लगी आग

अमेठी में ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान, दमकल विभाग ने पाया काबू

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, कमरौली में लखनऊ-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर कठौरा गांव के पास आईटीसी के सामने एक पिकअप वाहन पलटकर आग का शिकार हो गया। इस हादसे में पिकअप वाहन तेज गति से जा रहा था। अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गया। पलटते ही वाहन में आग लग गई। हालांकि, ड्राइवर ने तुरंत कूदकर अपनी जान बचा ली। आग लगने से चारों ओर

धुआं फैल गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। कमरौली थाना पुलिस दमकल विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पा लिया। पुलिस



उर्फ मीनू, मौला, स्वेता और सुनार ललित वर्मा हैं। पांच आरोपी हापुड़ के जोगीपुरा के हैं। सुनार ललित वर्मा मेरठ का रहने वाला है। कई जिलों में दर्ज हैं मुकदमें जांच में पता चला कि गिरोह गहन के रूप में यात्रा करता था। इसमें पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल रहते थे। ये लोग राहगीरों को गंतव्य

तक छोड़ने का झांसा देकर गाड़ी में बिठा लेते थे। गाड़ी की मॉडिफाई सीट के नीचे से यात्रियों का बैग चुरा लेते थे। पीछे बैठे गैंग के सदस्य बैग से कीमती सामान निकाल लेते थे। चोरी के गहन के रूप में सुनार को बेच देते थे। गिरोह के खिलाफ कई जनपदों में मुकदमे दर्ज हैं।

मेडिकल छात्रा से प्रोफेसर का बैड टच

विभाग में बुलाकर गलत इरादे से पकड़कर खींचा, अभद्रता की, जांच के बाद सरपेंड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, छेत्र स्थित राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के फिजियोलॉजी विभाग के प्रवक्ता ने बीएचएमएस छात्रा को बंद कमरे में पकड़ लिया। जैसे-तैसे अपने आपको बचाकर छात्रा बाहर भागी। घटना के बाद से वह डिप्रेशन में है। परिजनों ने शिकायत की तो आनन-फानन में आरोपी प्रवक्ता को गोरखपुर होम्योपैथी कॉलेज से सम्बद्ध और प्रभारी प्राचार्य का मुरादाबाद तबादला कर दिया गया। घटना की गुंज शासन तक पहुंची तो यूपी होम्योपैथी चिकित्सा विभाग के निदेशक ने जांच के निर्देश दिए हैं। अभी कुछदिन से इसी तरह का मामला हाथरस में भी चल रहा है जिसमें प्रोफेसर ने कई छात्रों को अपनी गंदी हरकतों से शर्मसार कर रखा है। मैनुपुरी



निवासी बीएचएमएस छात्रा 3 फरवरी 2025 को राजकीय होम्योपैथी मेडिकल कालेज के फिजियोलॉजी विभाग में गई थी। आरोप है कि प्रवक्ता डा. अमरीश कुमार ने विभाग में उसको गलत मंशा से स्पर्श किया और अभद्रता की। प्रोफेसर की हरकत से परेशान छात्रा बमशिकल विभाग से बचकर

निकली। बाद में प्राचार्य को प्रोफेसर की गंदी हरकत को लेकर 4 फरवरी को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। कहा कि वह घटना से वह गहरे मानसिक अवसाद में है। शिकायत की जांच के लिए डीएचओ मुकेश कुमार मेडिकल कालेज पहुंचे और उन्होंने छात्रा से बात की। जिसके बाद कालेज की जेंडर

सेन्सेटाजेशन, लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतिक्रिया) कमेटी ने अपनी रिपोर्ट निदेशक होम्योपैथी, उत्तर प्रदेश को भेज दी। शिकायत सही पाए जाने पर आनन-फानन में आरोपी प्रवक्ता को शहीद राजा हरिप्रसाद मल्ल राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बड़इहलगांज, गोरखपुर से सम्बद्ध कर दिया गया। बाद में उसे निलंबित कर सोनभद्र मेडिकल कालेज से सम्बद्ध किया गया है। साथ ही प्रभारी प्राचार्य डा. विष्णु शर्मा का मुरादाबाद तबादला कर दिया गया। निदेशक होम्योपैथी के निर्देश पर स्थानीय स्तर पर चार सदस्यीय कमेटी मामले की जांच कर रही है। निदेशक होम्योपैथी प्रो. अरविंद कुमार वर्मा द्वारा डीएम अलीगढ़ को मामले में जांच के निर्देश दिए गए।

निकली। बाद में प्राचार्य को प्रोफेसर की गंदी हरकत को लेकर 4 फरवरी को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। कहा कि वह घटना से वह गहरे मानसिक अवसाद में है। शिकायत की जांच के लिए डीएचओ मुकेश कुमार मेडिकल कालेज पहुंचे और उन्होंने छात्रा से बात की। जिसके बाद कालेज की जेंडर

निवासी बीएचएमएस छात्रा 3 फरवरी 2025 को राजकीय होम्योपैथी मेडिकल कालेज के फिजियोलॉजी विभाग में गई थी। आरोप है कि प्रवक्ता डा. अमरीश कुमार ने विभाग में उसको गलत मंशा से स्पर्श किया और अभद्रता की। प्रोफेसर की हरकत से परेशान छात्रा बमशिकल विभाग से बचकर

निकली। बाद में प्राचार्य को प्रोफेसर की गंदी हरकत को लेकर 4 फरवरी को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। कहा कि वह घटना से वह गहरे मानसिक अवसाद में है। शिकायत की जांच के लिए डीएचओ मुकेश कुमार मेडिकल कालेज पहुंचे और उन्होंने छात्रा से बात की। जिसके बाद कालेज की जेंडर

निवासी बीएचएमएस छात्रा 3 फरवरी 2025 को राजकीय होम्योपैथी मेडिकल कालेज के फिजियोलॉजी विभाग में गई थी। आरोप है कि प्रवक्ता डा. अमरीश कुमार ने विभाग में उसको गलत मंशा से स्पर्श किया और अभद्रता की। प्रोफेसर की हरकत से परेशान छात्रा बमशिकल विभाग से बचकर

निकली। बाद में प्राचार्य को प्रोफेसर की गंदी हरकत को लेकर 4 फरवरी को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। कहा कि वह घटना से वह गहरे मानसिक अवसाद में है। शिकायत की जांच के लिए डीएचओ मुकेश कुमार मेडिकल कालेज पहुंचे और उन्होंने छात्रा से बात की। जिसके बाद कालेज की जेंडर

निवासी बीएचएमएस छात्रा 3 फरवरी 2025 को राजकीय होम्योपैथी मेडिकल कालेज के फिजियोलॉजी विभाग में गई थी। आरोप है कि प्रवक्ता डा. अमरीश कुमार ने विभाग में उसको गलत मंशा से स्पर्श किया और अभद्रता की। प्रोफेसर की हरकत से परेशान छात्रा बमशिकल विभाग से बचकर

निकली। बाद में प्राचार्य को प्रोफेसर की गंदी हरकत को लेकर 4 फरवरी को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। कहा कि वह घटना से वह गहरे मानसिक अवसाद में है। शिकायत की जांच के लिए डीएचओ मुकेश कुमार मेडिकल कालेज पहुंचे और उन्होंने छात्रा से बात की। जिसके बाद कालेज की जेंडर

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई, 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोदामनं.

8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टॉप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।

EMail- bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669, 8097049935, 9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया

बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लॉक स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।

